Total No. of Questions : 08] **[SET-A]** **[Total No. of Printed Page : 2**

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

तृतीय सेमेस्टर

3MAHIN 1

प्रश्न पत्र – प्रथम

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

Time : 03 Hrs. **MM : 70**
MM : 25

नोट : किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. निम्नलिखित पद्यांशो की सप्रंसग व्याख्या कीजिए।

(अ) शिशिर न फिर गिरी बन में।
जितना मांगो पतझड़ दूँगी मैं इस निज नंदन में।
कितना कंपन तुझे चाहिए लो मेरे इस तन में।
सरिष कह रहि पॉडुरता का क्या अभाव आनन में।
वीर जमा दे नयन नीर यदि तु मानस भाजन में।
तो मोती से मै अकिंचनी रक्खू उसको मन में।
हंसी गयी रो भी न सकूँ मै अपने इस जीवन में।
तो उत्कंठा है, देखूँ फिर क्या हो भाव भुवन में

(ब) कौन? तुम संसृति जनानिधि तीर तरंगो से फेकी मणि एक।
कर रहे निर्जन का चुपचाप प्रभा की धारा से अभिषेक।
मधुर विश्रांत और एकांत जगत का सुलझा हुआ रहस्य।
एक करूणामय सुंदर मौन और चंचल मन का आलस्य।

प्र.2. प्रबंध काव्य की विशेषताओ के आधार पर साकेत का मूल्यांकन कीजिए।

प्र.3. ''कामायनी जयशंकर प्रसाद की और संभवतः छायावाद युग की सर्वश्रेष्ठ कृति मानी जाती है।'' समीक्षा कीजिए।

प्र.4. साकेत के प्रकृति चित्रण पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्र.5. जयशंकर प्रसाद के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

Total No. of Questions : 08] **[SET-A]** **[Total No. of Printed Page : 2**

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

तृतीय सेमेस्टर

3MAHIN 1

प्रश्न पत्र – प्रथम

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

Time : 03 Hrs. MM : 70
MM : 25

नोट : किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. निम्नलिखित पद्यांशो की सप्रंसग व्याख्या कीजिए।

(अ) शिशिर न फिर गिरी बन में।
जितना मांगो पतझड़ दूँगी मैं इस निज नंदन में।
कितना कंपन तुझे चाहिए लो मेरे इस तन में।
सरिष कह रहि पॉडुरता का क्या अभाव आनन में।
वीर जमा दे नयन नीर यदि तु मानस भाजन में।
तो मोती से मै अकिंचनी रक्खू उसको मन में।
हंसी गयी रो भी न सकूँ मै अपने इस जीवन में।
तो उत्कंठा है, देखूँ फिर क्या हो भाव भुवन में

(ब) कौन? तुम संसृति जनानिधि तीर तरंगो से फेकी मणि एक।
कर रहे निर्जन का चुपचाप प्रभा की धारा से अभिषेक।
मधुर विश्रांत और एकांत जगत का सुलझा हुआ रहस्य।
एक करूणामय सुंदर मौन और चंचल मन का आलस्य।

प्र.2. प्रबंध काव्य की विशेषताओ के आधार पर साकेत का मूल्यांकन कीजिए।

प्र.3. ''कामायनी जयशंकर प्रसाद की और संभवतः छायावाद युग की सर्वश्रेष्ठ कृति मानी जाती है।'' समीक्षा कीजिए।

प्र.4. साकेत के प्रकृति चित्रण पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्र.5. जयशंकर प्रसाद के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

1

प्र.6. आधुनिक काल की सीमा निर्धारित करते हुए इसके नामकरण का औचित्य बतलाइए।

प्र.7. छायावाद काव्य की प्रमुख उपलब्धियों और अभावों का उल्लेख कीजिए।

प्र.8. किन्हीं दो पर टिप्पणीं लिखिए –

(अ) रत्नाकर की साहित्य साधना

(ब) हरिऔध की साहित्यिक विशेषताओ का परिचय दीजिए।

(स) महादेवी वर्मा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

------x------

प्र.6. आधुनिक काल की सीमा निर्धारित करते हुए इसके नामकरण का औचित्य बतलाइए।

प्र.7. छायावाद काव्य की प्रमुख उपलब्धियों और अभावों का उल्लेख कीजिए।

प्र.8. किन्हीं दो पर टिप्पणीं लिखिए –

(अ) रत्नाकर की साहित्य साधना

(ब) हरिऔध की साहित्यिक विशेषताओ का परिचय दीजिए।

(स) महादेवी वर्मा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

------x------

2